छत्तीसगढ़ विधान सभा

की

अशोधित कार्यवाही

(अधिकृत विवरण)

पंचम विधान सभा **षष्ठम् सत्र**

सोमवार, दिनांक 16 मार्च, 2020

(फाल्गुन 26, शक सम्वत् 1941)

[अंक 11]

Website copy

छत्तीसगढ़ विधान सभा

सोमवार, दिनांक 16 मार्च, 2020

(फाल्गुन 26, शक संवत् 1941)

विधान सभा पूर्वाह्न 11.00 बजे समवेत हुई.

(अध्यक्ष महोदय (डॉ. चरणदास महंत) पीठासीन हुए)

स्वास्थ्य मंत्री (श्री टी.एस. सिंहदेव) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, अत्यंत गंभीर परिस्थितियों की संभावनाओं के बीच आज हम जी रहे हैं और इस सदन में भी उपस्थित हैं।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय अध्यक्ष महोदय, वह मास्क निकालकर बोले तो समझ में आयेगा। समझ में नहीं आ रहा है।

श्री टी.एस. सिंहदेव :- माननीय अध्यक्ष महोदय, जो संभावनायें बनी है, अत्यंत चिंताजनक संभावनायें हैं। इसलिए मेरा आपसे आग्रह है कि आज सदन की कार्यवाही भी स्थगित करें और उस पर विचार करें। विश्व भर में, अमेरिका जैसे देश, जहां उन्होंने शुरू में ढिलाई बरती, ऐसा समझा कि कोई विशेष बात नहीं है कि कुछ नहीं होगा। हमको यहां भी लगता है कि छत्तीसगढ़ में कोई पाजीटिव केस नहीं मिला है। अमेरिका का ग्राफ ऐसे चढ़ रहा था।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय अध्यक्ष महोदय, प्रश्नकाल में भाषण नहीं होता है।

श्री टी.एस. सिंहदेव :- अध्यक्ष जी, इसलिए मेरा आपसे आग्रह है कि गंभीरता से इस पर विचार करें और सदन की कार्यवाही को तत्काल स्थगित करें।

श्री धर्मजीत सिंह :- माननीय अध्यक्ष महोदय, ये करोना से कितने ज्यादा चिंतित हैं? कोई चिंता नहीं है। यहां के भृत्य, यहां के मुख्यमंत्री,मंत्री, विधायक, सब लगाये हैं, लेकिन दीर्घा के अधिकारियों को ये मास्क भी नहीं दिया है, स्वास्थ्य मंत्री जी। चीफ सेक्रेटरी सहित किसी भी अधिकारी ने मास्क नहीं पहना है। तो आप करोना के बारे में कहां गंभीर हैं ?

डॉ. (श्रीमती) रश्मि आशिष सिंह :- माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी के आग्रह को हम सब स्वीकार किए हैं। ...(व्यवधान)

डॉ.(श्रीमती) लक्ष्मी ध्रुव :- माननीय अध्यक्ष जी, करोना एक बहुत बड़ा संकट है। हम सब लोग इसका समर्थन करते हैं।

श्री अजय चन्द्राकर :- यह प्रश्नकाल के बाद आना चाहिए। प्रश्नकाल में कोई वक्तव्य नहीं आता है।

असंशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

श्री शिवरतन शर्मा :- करोना के सबसे ज्यादा प्रकरण दिल्ली में पाये गये हैं, जहां करोना के सबसे ज्यादा केसेस पाये गये हैं। ...(व्यवधान)

श्री नारायण चंदेल :- प्रश्नकाल चलने दीजिये। ...(व्यवधान)

श्री धर्मजीत सिंह :- माननीय अध्यक्ष जी, आप भी लगा लीजिये, अधिकारियों को मास्क नहीं दिया गया है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय :- एक मिनट। प्लीज, प्लीज। मैं स्वास्थ्य मंत्री जी की चिंता से पूरी तरह अवगत होना चाहता हूं। उसके बाद माननीय संसदीय कार्यमंत्री जी की बात सुनूंगा। आपकी बात सुनूंगा। आप लोग चिंतित मत होईये। एक मिनट, मेरी बात सुन लीजिये।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय अध्यक्ष महोदय, प्रश्नकाल में कभी भी वक्तव्य आया नहीं है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय :- आप बैठिये न, मैं सुन रहा हूं।

श्री धर्मजीत सिंह :- माननीय अध्यक्ष महोदय, इसी सदन में मैंने जीरो आवर में करोना के मामले का मसला उठाया था। मैंने मांग की थी कि सरकार इस पर बयान दें।

अध्यक्ष महोदय :- आप बैठिये, बैठिये।

श्री धर्मजीत सिंह :- स्वास्थ्य मंत्री जी ने हमारे मांग के बाद भी सदन में कोई बयान नहीं दिया। अब आप उनको करोना की चिंता हो रही है। एक बार मीटिंग में तय हुआ है, आप कृपया आगे बढ़ाईये। यह अभी कोई भाषणबाजी का अवसर नहीं है और भाषणबाजी से कोई निर्णय नहीं होगा। बिजनेस एडवायजरी कमेटी की बैठक हुई है, वही निर्णय होगा और उसकी प्रक्रिया आप करेंगे।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- माननीय अध्यक्ष महोदय, यह गंभीर मसला है।

अध्यक्ष महोदय :- डहरिया जी, आप बैठिये। माननीय संसदीय कार्यमंत्री जी, आप क्या कहना चाहते हैं ?

श्री धर्मजीत सिंह :- अगर वे विचार व्यक्त कर रहे हैं तो हमको भी विचार व्यक्त करने का अवसर दीजिये।

अध्यक्ष महोदय :- मैं आप लोगों को बता देता हूं कि यह जो अंदर का कक्ष (सदन) है, वह सेनेटाइज्ड है। आप यहो अपने मुंह का मास्क निकालकर बात कर सकते हैं। कक्ष के बाहर सेनेटाइज्ड नहीं है। सी.एम. का कक्ष सेनेटाइज्ड है और मेरा कक्ष सेनेटाइज्ड है। तो जो कुछ कहना है तो सी.एम. के कक्ष, मेरे कक्ष में और यहां कहिये। आपको यहां पर मास्क लगाने की जरूरत नहीं है।

नेता प्रतिपक्ष (श्री धरमलाल कौशिक) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, केवल एक मिनट। यह प्रश्नकाल का समय है। कार्यसूची वितरित हुआ है। हमारा प्रश्नकाल हो जाये। उसके बाद स्वास्थ्य मंत्री जी का वक्तव्य, संसदीय कार्यमंत्री जी का वक्तव्य, मुख्यमंत्री जी का वक्तव्य आ जाये। फिर उसके बाद

असंशोधित/पुनरीक्षण के लिए नहीं

हम लोग उस वक्तव्य पर बातचीत करेंगे। मेरा आपसे केवल यह आग्रह है कि प्रश्नकाल चलने दिया जाये। प्रश्नकाल के बाद जो वक्तव्य आयेगा, उसको हम लोग सुनेंगे और उस पर चर्चा करेंगे। इसलिए मैं आपसे आग्रह करता हूं कि प्रश्नकाल में माननीय सदस्यों को प्रश्न करने दीजिये।

डॉ. (श्रीमती) रश्मि आशिष सिंह :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरे ख्याल से आज का प्रश्नकाल इतना महत्वपूर्ण नहीं होना चाहिए। हम सब लोगों का जीवन ज्यादा महत्वपूर्ण है।

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय अध्यक्ष जी ने कहा कि यह कक्ष सेनेटायराज्ड है। यहां कीटाणु नहीं हैं। तो यहां तो चर्चा हो सकती है, अभी अध्यक्ष जी ने कहा है।

श्री शैलेश पाण्डेय :- हमको प्रदेश की चिंता करनी है न। हमें प्रदेश के हालात पर चर्चा करनी है।

श्री धर्मजीत सिंह :- अब आप बिलासपुर से कोई कीटाणु ले आये होगे। अध्यक्ष जी, शैलेश पाण्डेय जी बिलासपुर से कोरोना वायरस लेकर आये होंगे तो हम क्या करेंगे ? ...(व्यवधान)

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- माननीय अध्यक्ष महोदय, गंभीर स्थिति है। प्रश्नकाल भी स्थगित कर दिया जाये।

अध्यक्ष महोदय :- संसदीय कार्यमंत्री जी, आप कहें, जो कहना है ।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय अध्यक्ष महोदय, छत्तीसगढ़ में कोरोना का कोई केस नहीं है । आप प्रश्नकाल के बाद चर्चा कर सकते हैं ।

श्री धनेन्द्र साहू :- माननीय अध्यक्ष महोदय, यह तो हमारी सरकार के प्रयासों का परिणाम है कि कोई भी व्यक्ति कोरोना से संक्रमित नहीं है । यह सरकार के प्रयासों का परिणाम है कि प्रदेश में कोई भी प्रभावित नहीं है ।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय अध्यक्ष महोदय, धनेन्द्र जी, आप यह बताईए कि प्रश्नकाल में सरकार वक्तव्य देती है क्या ? प्रश्नकाल में कोई मंत्री वक्तव्य देता है क्या ? यह बताईए न । नियम की किताब खोल लीजिए, मैं नियमों की किताब दे देता हूं, आप देख लीजिए । (व्यवधान)

डॉ. रश्मि आशिष सिंह :- अध्यक्ष महोदय, कोरोना इतना गंभीर मसला है, आज की चर्चा में प्रश्नकाल नहीं होना चाहिए । हमें पूरे प्रदेश की चिन्ता है (व्यवधान)

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- माननीय नेता जी, हम लोगों को आपके स्वास्थ्य की चिन्ता है ।

श्री धरमलाल कौशिक :- माननीय अध्यक्ष महोदय, अभी ऐसी कोई आपात कालीन स्थिति निर्मित नहीं हुई है कि प्रश्नकाल को रोककर वक्तव्य दिया जाना चाहिए और न ही प्रदेश में ऐसी कोई हालात है कि प्रश्नकाल को रोककर वक्तव्य देना चाहिए । इसलिए आपसे आग्रह है कि प्रश्नकाल चलने दिया जाए । प्रश्नकाल स्थगित करने की जरूरत ही नहीं है, प्रश्नकाल चलने दिया जाए । अध्यक्ष जी, आप प्रश्न करने की अनुमति दें । उसके बाद संसदीय कार्यमंत्री जी का वक्तव्य आ जाए । माननीय स्वास्थ्य मंत्री का वक्तव्य आ जाए ।

अप्रमाणित/प्रकाशन के लिए नहीं

श्री सत्यनारायण शर्मा :- अध्यक्ष जी, पूरे देश में दहशत है, स्थिति गंभीर है, लोग घर से नहीं निकल रहे हैं । (व्यवधान)

श्री धरमलाल कौशिक :- अध्यक्ष महोदय, हम उसमें चर्चा करेंगे । यहां ऐसी कोई हालात नहीं है । प्रश्नकाल बहुत महत्वपूर्ण है, ऐसे 25 प्रश्न लगे हुए हैं । आखिर प्रदेश के धन की बरबादी होगी। धन की बरबादी रोकने के लिए हम लोग बोल रहे हैं कि समय का अपव्यय न किया जाए और प्रश्नकाल चलने दिया जाए और प्रश्नकाल के बाद में आप वक्तव्य देंगे ।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय अध्यक्ष महोदय, ऐसी कौन सी किताब में लिखा है कि प्रश्नकाल स्थगित करके मंत्री वक्तव्य दें । (व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, महत्वपूर्ण बात यह है कि आपने स्वयं कहा कि कीटाणु रहित है तो प्रश्नकाल चलने दीजिए । (व्यवधान)

श्री धरमलाल कौशिक :- कीटाणु रहित है इसलिए यहां प्रश्न करने में कोई दिक्कत नहीं है ।

श्री सौरभ सिंह :- अध्यक्ष महोदय, प्रदेश की जनता के हित के सवाल यहां पर लगे हुए हैं ।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- यहां प्रदेश के जनता के हित की बात यहां हो रही है। हम लोगों को आपके स्वास्थ्य की भी चिन्ता है ।

श्री धर्मजीत सिंह :- माननीय अध्यक्ष महोदय, अगर प्रश्नकाल के पहले वक्तव्य आने से कोरोना की समस्या खतम हो जाएगी, ऐसा कुछ मामला नहीं है । अगर प्रश्नकाल के बाद वक्तव्य आएगा तो कोरोना की समस्या बढ़ जाएगी, ऐसा भी कोई मामला नहीं है । अध्यक्ष महोदय, जो कार्य मंत्रणा समिति की बैठक होती है, वह आपके पास है । प्रश्नकाल निर्धारित प्रपत्र में है । प्रश्नकाल के बाद आप जैसा वक्तव्य चाहें, जिनको भी वक्तव्य देना हो, जितनी भी चर्चा करनी हो । मैं कहता हूं कि आज दिन भर कोरोना के नाम से ही आप चर्चा स्थापित कर दीजिए, लेकिन परम्परा को मत तोड़िए । अभी कोई मंत्री जी के बयान से कोई बहुत फर्क पड़ना नहीं है ।

अध्यक्ष महोदय :- अभी कोई बयान नहीं दे रहा है, माननीय संसदीय कार्यमंत्री को आप सुनेंगे ?

श्री धर्मजीत सिंह :- हां जी, आपके आदेश का पालन करेंगे ।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय अध्यक्ष महोदय, कौन से नियम के तहत वे बोलेंगे ? हम प्रश्नकाल के बाद संसदीय कार्यमंत्री को सुनेंगे । हम प्रश्नकाल में किन कारणों से संसदीय कार्यमंत्री को सुनेंगे ?

अध्यक्ष महोदय :- माननीय चन्द्राकर जी, जब मैं आपको सुन रहा हूं तो संसदीय कार्यमंत्री को सुन सकता हूं । (मेजों की थपथपाहट)

श्री धरमलाल कौशिक :- माननीय अध्यक्ष महोदय, हम आपसे आग्रह कर सकते हैं, आपसे निवेदन कर सकते हैं कि प्रश्नकाल बाधित हो रहा है, प्रश्नकाल को चलने दिया जाए । उसके बाद

अप्रमाणित/प्रकाशन के लिए नहीं

संसदीय कार्यमंत्री जी को सुनेंगे, मुख्यमंत्री जी को सुनेंगे । आपने स्वास्थ्य मंत्री जी को सुना, आप सबको सुनें न । वैसे भी प्रदेश में स्वास्थ्य मंत्री जी की क्या स्थिति है, वह किसी से छिपी हुई नहीं है । स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण चर्चा हो जाती है, लेकिन स्वास्थ्य मंत्री की वहां पर उपस्थिति भी आवश्यक नहीं है । यह गंभीरता स्वास्थ्य मंत्री की दिखती है और इसलिए कोरोना में कितनी चर्चा हुई ? इसलिए प्रश्नकाल चलने दिया जाए और प्रश्नकाल के बाद में वक्तव्य आ जाए । (व्यवधान)

डॉ. रश्मि आशिष सिंह :- अध्यक्ष महोदय, नेता जी, आप हमेशा विषय से हटकर बात क्यों करते हैं ?

अध्यक्ष महोदय :- संसदीय कार्यमंत्री जी, आप कुछ कहना चाहते हैं ?

श्री शैलेश पांडे :- यह सदन को भटकाने का तरीका है ।

संसदीय कार्यमंत्री (श्री रविन्द्र चौबे) :- अध्यक्ष जी, माननीय नेता प्रतिपक्ष, आप बैठेंगे क्या ?

श्री अजय चन्द्राकर :- अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी कौन सी प्रक्रिया के तहत कहना चाहते हैं ?

अध्यक्ष महोदय :- मैंने आपको सुना है ।

श्री रविन्द्र चौबे :- चन्द्राकर जी, आपने अभी किस प्रक्रिया में बोला, आपको किस प्रक्रिया में अध्यक्ष जी ने सुना ? अभी आपने बोला या नहीं बोला ? (व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, प्रश्नकाल हमारा है, हम प्रश्न करेंगे, हमको प्रश्न करने का अधिकार है । (व्यवधान)

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय अध्यक्ष महोदय, प्रश्नकाल को चलने दें, उसके बाद बोलिए । (व्यवधान)

श्री रविन्द्र चौबे :- अध्यक्ष जी, आप किस प्रक्रिया में बोल रहे थे, अभी नेता प्रतिपक्ष किस प्रक्रिया में बोल रहे थे ? मैं भी उसी प्रक्रिया में बोल रहा हूं ।(व्यवधान)

श्री धरमलाल कौशिक :- अध्यक्ष महोदय, प्रश्नकाल में सबको अधिकार है और प्रश्नकाल माननीय सदस्यों का है । प्रश्नकाल में मंत्रियों को जवाब देने का है । हम सदन से पूछेंगे और आपको जवाब देना है और इसलिए नियम प्रक्रिया हमारे लिए नहीं है । आप वक्तव्य देंगे, आपके लिए नियम प्रक्रिया होगी कि प्रश्नकाल में ऐसी कौन सी परिस्थितियां निर्मित हो गई है कि प्रश्नकाल को आप आगे बढ़ाकर आपके वक्तव्य की बात सुनेंगे ।

श्री नारायण चंदेल :- प्रश्नकाल के बाद हम संसदीय कार्यमंत्री जी को सुनेंगे।

श्री रविन्द्र चौबे :- अध्यक्ष महोदय, यह तो और गंभीर बात है । नेता प्रतिपक्ष कह रहे हैं कि नियम प्रक्रिया आपके लिए है, हमारे लिए नहीं है ।

श्री धरमलाल कौशिक :- मैंने यह नहीं बोला, मैंने यह बोला कि माननीय सदस्यों को प्रश्न पूछने का अधिकार है ।

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

श्री रविन्द्र चौबे :- अध्यक्ष महोदय, यह तो बहुत गंभीर बात है । नेता प्रतिपक्ष कह रहे हैं कि नियम प्रक्रिया आपके लिए है, हमारे लिये नहीं है । (व्यवधान)

श्री धरमलाल कौशिक :- मैं यह नहीं बोला । सदस्यों को प्रश्न पूछने का अधिकार है । (व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- आप प्रश्नकाल के बाद बोलो ना । (व्यवधान)

श्री धरमलाल कौशिक :- आपका कोरोना का वक्तव्य सुनेंगे । (व्यवधान)

श्री रविन्द्र चौबे :- आप हमारी बात क्यों नहीं सुनेंगे, आप हमारी बात सुनिये । (व्यवधान)

श्री धर्मजीत सिंह :- हम आसंदी से आग्रह कर रहे हैं कि प्रश्नकाल चलने दिया जाये । (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय :- सुनने तो दीजिए । (व्यवधान)

श्री धर्मजीत सिंह :- बयान के लिए प्रक्रिया चाहिये, अध्यक्ष महोदय । हम तो आसंदी से सिर्फ आग्रह कर रहे हैं कि आप प्रश्नकाल चलाईये । (व्यवधान)

श्री रविन्द्र चौबे :- आसन्दी से आग्रह करने का अधिकार आपको है तो आसंदी से आग्रह करने का अधिकार मेरा भी है । (व्यवधान)

श्री धरमलाल कौशिक :- आप भाषण दे रहे हैं ना सर । स्टेटमेंट दे रहे हैं । (व्यवधान)

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मंत्रियों को ही सुनने दे ...(व्यवधान) एक मंत्री का हो गया, दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवे...(व्यवधान)

डॉ. रश्मि आशीष सिंह :- माननीय अध्यक्ष महोदय, यह सदन का अपमान है ।

अध्यक्ष महोदय :- माननीय मंत्री जी, मैं आपको सुनना चाहता हूँ । मैं आपको सुनना चाहता हूँ, चाहे आप हल्ला के बीच बोलें या अकेले में बोले । आप बोलिये, मैं आपको सुनना चाहता हूँ ।

श्री सौरभ सिंह :- लम्बा बोलिये । (व्यवधान)

श्री अजय चन्द्राकर :- और लम्बा बोलिये । बहुत अच्छी परम्परा है । (व्यवधान)

डॉ. रश्मि आशीष सिंह :- यह गलत बात है, माननीय अध्यक्ष महोदय । यह किसी भी तरह से व्यवधान चाहते हैं । (व्यवधान)

श्री मोहन मरकाम :- माननीय अध्यक्ष की बातों का अवहेलना कर रहे हैं । (व्यवधान)

डॉ. रश्मि आशीष सिंह :- ये लोग हर बात को हल्का कर देते हैं । (व्यवधान)

श्री अजय चन्द्राकर :- आपके वक्तव्य में कोई प्रतिक्रिया नहीं होगी । छत्तीसगढ़ की विधान सभा में एक नया वक्तव्य आ रहा है । कोई प्रतिक्रिया नहीं होगी, बिना विपक्ष के एक घण्टे बोलिये । (व्यवधान) यह आपका वक्तव्य है । (व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- शराब दुकान पर रोक नहीं लगाया जा रहा है । (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय :- आप कहिये ना, 15 मिनट बरबाद हो चुका । आप कहिये । (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय :- संसदीय कार्यमंत्री जी,यह आपकी गंभीरता को प्रकट करता है । (व्यवधान)

अप्रमाणित/प्रकाशन के लिए नहीं

श्री अजय चन्द्राकर :- पूरा 45 मिनट आपको सुनेंगे । (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय :- आप कहिये, आपको जितने मिनट बोलना है, आप अपनी बात तो रखिये, माननीय मंत्री जी । (व्यवधान)

श्री रविन्द्र चौबे :- अध्यक्ष जी, थोड़ा सा पहले आप अजय चन्द्राकर जी का मेडिकल चेक अप का आदेश करिये । कितनी सामान्य सी बात है...। (व्यवधान)

श्री अजय चन्द्राकर :- मेरा ब्लडप्रेशर चेक मत कराईये, पूरे मंत्रियों से कोरोना पर भाषण करवाईये और विपक्ष की प्रतिक्रिया मत लीजिए । (व्यवधान)

श्री धरमलाल कौशिक :- यह आपत्तिजनक है और आपको अपना शब्द वापस लेना चाहिये । मेंटल चेक अप की बात की है तो वापस लेना चाहिये (व्यवधान)

श्री धर्मजीत सिंह :- मेंटल चेक अप के लिए कहा है, यह बहुत ही आपत्तिजनक है । (व्यवधान)

श्री रविन्द्र चौबे :- धर्मजीत भईया, आपकी बात हो गयी । (व्यवधान)

डॉ.शिवकुमार डहरिया :- अजय चन्द्राकर जी को कोरोना का प्रारंभिक प्रभाव हो गया है, ऐसा लग रहा है । (व्यवधान)

श्री धर्मजीत सिंह :- मेंटल मत बोलिए ना, और कुछ बोल लीजिए । (व्यवधान)

डॉ.शिवकुमार डहरिया :- चलिये, कोरोना का जांच करा लिया जाये ।

श्री रविन्द्र चौबे :- मेंटल मैं बोला ही नहीं। यह आप बोले हैं । मैंने वह शब्द बोला नहीं है, जो आपने बोला है । उसके बाद भी अजय भाई को कोई तकलीफ है तो मैं उसको वापस ले लेता हूँ । कोई बात नहीं है । (व्यवधान)

श्री अजय चन्द्राकर :- और बोलवाईये । आप लोगों ने मजाक बना दिया है । (व्यवधान)

श्री रविन्द्र चौबे :- यह बैठकर बोल रहे हैं, वह बहुत अच्छी परम्परा है । (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय :- चलिये, 13 मिनट हो चुके हैं, आप अपनी बात रखिये । (व्यवधान)

श्री रविन्द्र चौबे :- सारी परम्पराओं का पालन आप कर रहे हैं । (व्यवधान)

श्री अजय चन्द्राकर :- आपके संसदीय कार्यमंत्री के कार्यकाल में किसी परम्परा का कोई महत्व नहीं है । मैं इस बात को 100 बार बोलता हूँ । (व्यवधान)

श्री रविन्द्र चौबे :- आप बैठिये ना, बैठिये ना । इतना उत्तेजित मत हुआ करें । (व्यवधान) क्या वही-वही बात कर रहे हैं ।

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय संसदीय कार्यमंत्री जी, आप तो उस कहावत को चरितार्थ कर रहे हैं कि -

जाट कहे जाटिनी से, इसी गांव में रहना
ऊंट बिलाई ले गयी, तो हां जी, हां जी कहना

अप्रमाणित/प्रकाशन के लिए नहीं

अध्यक्ष महोदय, जो हुकुम हो गया है, उसको आपको बजाना है । आपकी यह स्थिति बन गई है । संसदीय कार्यमंत्री रहते हुये सारी परम्पराओं को तोड़ने का काम कर रहे हैं । (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय:- आप अपनी बात रखिये, माननीय चौबे जी । (व्यवधान)

श्री रविन्द्र चौबे :- माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी ने आपसे आग्रह किया । माननीय अध्यक्ष महोदय, यह चिन्ता छत्तीसगढ़ की ही नहीं है । हिन्दुस्तान के प्रधानमंत्री आदरणीय मोदी जी कल यह जो कोरोनाकी समस्या है, उसके निदान के लिए सार्क देशों के सारे राष्ट्रध्यक्षों से बात किये हैं । माननीय अध्यक्ष महोदय, यह पूरे प्रदेश में ऐसी स्थिति है । पिछले बार जब बिजनेस एडवाइजरी की बैठक हुई तो आपके समक्ष भी यह निर्णय लिया गया और सारे राज्यों में हम इस बात को देख रहे हैं, महाराष्ट्र में भी विधानसभा स्थगित की गई है और छत्तीसगढ़ में भी आपने कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में 9-10 दिन की छुट्टी स्वीकृत की है और जिस तरीके से राष्ट्र के प्रधानमंत्री और केन्द्र की सरकार बार-बार एडवाईजरी जारी कर रही है वहां के स्वास्थ्य विभाग के द्वारा, WHO के द्वारा, और तो और होम डिपार्टमेंट के द्वारा भी की जा रही है उसी को तो आदरणीय स्वास्थ्य मंत्री जी आपके सामने कह रहे थे। इसलिए उनका प्रस्ताव है और पूरे सदन में मेरा भी प्रस्ताव है कि प्रश्नकाल सहित सदन की कार्यवाही आज से स्थगित की जाए और आने वाले समय में जैसा आप निर्धारित करें सदन में चर्चा होगी। (मेजों की थपथपाहट) जहां तक प्रक्रियाओं के पालन करने का सवाल है मुझे बहुत अच्छी सीख आज शिवरतन जी और अजय चन्द्राकर जी से मिली कि वह तो प्रक्रियाओं का पालन न करें और हमें प्रक्रियाओं के पालन की बार-बार दुहाई दें। आदरणीय नेता प्रतिपक्ष जी भी नाराज हो रहे थे। आदरणीय नेता प्रतिपक्ष जी, आप भी आसंदी की अनुमति से बोल रहे थे और मैं भी यदि खड़ा हुआ हूं तो माननीय अध्यक्ष जी ने मुझे कहा तब मैं खड़ा हुआ हूं। माननीय अध्यक्ष महोदय, आदरणीय स्वास्थ्य मंत्री जी का जो प्रस्ताव है उसे स्वीकार किया जाना चाहिए। (मेजों की थपथपाहट)

श्री अजीत जोगी :- अध्यक्ष महोदय, पार्लियामेंट चल रही है, मध्यप्रदेश की विधानसभा चल रही है तो छत्तीसगढ़ की विधानसभा जो कि सेनेटाईज्ड है उसे चलने दीजिए। इस विषय पर चर्चा प्रश्नकाल के बाद हो जाए।

श्री धर्मजीत सिंह :- अध्यक्ष महोदय, आपकी ही कार्यसूची में आपने लिखा है कि पृथकत: वितरित सूची में सम्मिलित प्रश्न पूछे जायेंगे तथा उनके उत्तर दिये जायेंगे। फिर आपने पत्रों का पटल पर रखने का भी बोला, फिर आपने ध्यानाकर्षण लिया। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि संसदीय कार्य मंत्री जी बोल रहे हैं कि पूरे देश में खतरा है और कार्यमंत्रणा समिति में फैसला हो गया है तो इसको एक लकीर लिखा जा सकता है कि विधानसभा में कार्यमंत्रणा समिति का प्रस्ताव पास करके विधानसभा खत्म की जायेगी। अध्यक्ष महोदय, हमने जो सहमति, असहमति की बात की, हमने वहां कर दी और आसंदी के द्वारा व्यवस्था दी गई है कि प्रश्न पूछे जाने चाहिए और उसके बाद प्रश्न नहीं पूछे जायेंगे तो क्या

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

करोना का असर यहीं होना है या पूरे छत्तीसगढ़ में होना है? सरकार एक लकीर में क्यों तैयार नहीं हो रही है कि इसमें ये सब कार्यसूची रखने के बजाय कार्यमंत्रणा समिति की बैठक का प्रतिवेदन रखे।

नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री (डॉ. शिवकुमार डहरिया) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, पूरे देश में गंभीर स्थिति है। यह पूरी दुनिया में है। अध्यक्ष महोदय, प्रश्नकाल भी स्थगित कर दिया जाए। हम सब जनप्रतिनिधि हैं, हजारों लोगों के साथ घूमते हैं, हम सबका हित चाहते हैं।

डॉ. (श्रीमती) रश्मि आशिष सिंह :- माननीय अध्यक्ष महोदय, सदस्यों से हाथ उठवा लीजिए कि कौन उपस्थित रहना चाहते हैं और कौन उपस्थित नहीं रहना चाहते।

श्री मोहन मरकाम :- माननीय अध्यक्ष महोदय, हम सबकी इच्छा है, संसदीय कार्य मंत्री जी ने जो सुझाव दिया है उसे मान्य किया जाए।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- अध्यक्ष महोदय, संसदीय कार्य मंत्री जी ने जो प्रस्ताव रखा है उसमें सदन की राय जान लीजिए। सदन के समक्ष एक विचाराधीन प्रस्ताव आया है इसमें सदन की राय जानने का आपको अधिकार है।

श्री धनेन्द्र साहू :- माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी ने जो प्रस्ताव रखा है वह स्थिति की गंभीरता को देखते हुए है और इसे हम लोगों को स्वीकार करना चाहिए। माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी ने जो प्रस्ताव रखा है उसे देख लें।

श्री मोहन मरकाम :- अध्यक्ष महोदय, केन्द्र सरकार लगातार एडवाईजरी जारी कर रही है, WHO ने भी कहा है, तो कहीं न कहीं जो बातें आ रही हैं उसे स्वीकार किया जाए।

श्री विकास उपाध्याय :- अध्यक्ष महोदय, रोज दिक्कतें बढ़ रही हैं।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- अध्यक्ष महोदय, आप आदेश जारी कर दीजिए।

अध्यक्ष महोदय :- माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी ने इस ओर ध्यान आकर्षित किया है कि कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम हेतु आज प्रश्नकाल स्थगित करने का प्रस्ताव उन्होंने प्रस्तुत किया है। यद्यपि प्रश्नकाल को स्थगित करने का कोई नियम नहीं है किन्तु अपरिहार्य परिस्थितियों में प्रश्नकाल को स्थगित किया जा सकता है। मैं समझता हूं कि वर्तमान में भी देश एवं प्रदेश में कोरोना वायरस को लेकर जो स्थिति व्याप्त है और कोरोना वायरस का फैलाव न हो इस दृष्टि से हमें सावधानी बरतने की आवश्यकता है ताकि संक्रमण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक न पहुंचे। मामला सभी के स्वास्थ्य से संबंधित है और इस दिशा में चिंता करना भी आवश्यक है, अत: मैं प्रश्नकाल को स्थगित करता हूं।

श्री अजय चन्द्राकर :- अध्यक्ष महोदय, एक व्यवस्था का प्रश्न है।

अध्यक्ष महोदय :- प्रश्नकाल स्थगित।

(11.19 बजे से 12.00 बजे तक कार्यवाही स्थगित रही।)

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

समय :

12:00 बजे **(अध्यक्ष महोदय, (डॉ. चरणदास महंत पीठासीन हुए)**

श्री बृजमोहन अग्रवाल (रायपुर नगर दक्षिण) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, संसदीय इतिहास का आज काला दिन है। इस सरकार के प्रस्ताव पर सदन को स्थगित किया गया और अध्यक्ष ने विपक्ष को नहीं सुना। अध्यक्ष जी, आपका जो भी वक्तव्य है, हम सुनेंगे। अध्यक्ष जी, अध्यक्ष जी...।(व्यवधान)

समय :

12:00 बजे **<u>कार्यमंत्रणा समिति का अष्टम् प्रतिवेदन</u>**

अध्यक्ष महोदय :- शुक्रवार, दिनांक 13 मार्च, 2020 को संपन्न कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि कोरोना वायरस के महामारी के रूप में विश्व में बढ़ते प्रभाव को देखते हुए एतिहातन रूप से मंगलवार, दिनांक 17 मार्च, 2020 से बुधवार, दिनांक 25 मार्च 2020 तक सभा की बैठकें नहीं होंगी।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- अध्यक्ष जी, आप हमारी बात सुनेंगे। आप उस पद का सम्मान कर रहे थे जब तक....।(व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- अध्यक्ष जी, आपका वक्तव्य सुनेंगे। (व्यवधान)

श्री सत्यनारायण शर्मा :- प्वाईंट ऑफ आर्डर...।(व्यवधान)

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- आज संसदीय इतिहास में काला दिन है। (व्यवधान)

श्री नारायण चंदेल :- हमको सुना जाये। (व्यवधान)

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- और हमको सुना जाये। (व्यवधान)

नेता प्रतिपक्ष (श्री धरमलाल कौशिक) :- माननीय अध्यक्ष जी, यह शून्यकाल है और शून्यकाल में हमको बोलने दीजिए।..(व्यवधान)

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- संसदीय इतिहास में आज काला दिन है। शून्यकाल में हमको सुना जाये। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय :- समिति द्वारा यह भी निर्णय लिया गया कि शनिवार, दिनांक 28 मार्च, 2020 को सभा की बैठक रखी जाये, इस दिन केवल विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा होगी तथा वित्तीय वर्ष 2020-21 के विनियोग विधेयक का पुर:स्थापन किया जायेगा। साथ ही इस विधेयक को विचार एवं पारण हेतु सोमवार, दिनांक 30 मार्च, 2020 को लिया जायेगा।

अध्यक्ष महोदय :- अब इसके संबंध में श्री रविन्द्र चौबे, संसदीय कार्य मंत्री प्रस्ताव करेंगे।

अप्रमाणित/प्रकाशन के लिए नहीं

संसदीय कार्य मंत्री (श्री रविन्द्र चौबे) :- अध्यक्ष महोदय, मैं, प्रस्ताव करता हूं कि- सदन कार्यमंत्रणा समिति के प्रतिवेदन में की गई सिफारिश को स्वीकृति देता है।

(प्रतिपक्ष के सदस्य गर्भगृह में आये)

(श्री बृजमोहन अग्रवाल, सदस्य द्वारा कार्यसूची फाड़कर आसंदी की ओर फेंकी गयी)

अध्यक्ष महोदय :- प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ।

अध्यक्ष महोदय :- प्रश्न यह है कि - सदन कार्यमंत्रणा समिति के प्रतिवेदन में की गई सिफारिश को स्वीकृति देता है।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

अध्यक्ष महोदय :- सदन की कार्यवाही 26 मार्च, 2020 को 11:00 बजे दिन तक के लिये स्थगित। (मेजों की थपथपाहट)

(12 बजकर 01 मिनट पर विधान सभा गुरूवार, दिनांक 26 मार्च, 2020 (चैत्र 06, शक सम्वत् 1942) के पूर्वाह्न 11:00 बजे तक के लिये स्थगित हुई।)

चन्द्र शेखर गंगराड़े
प्रमुख सचिव
छत्तीसगढ़ विधान सभा

रायपुर (छत्तीसगढ़)
दिनांक : 16 मार्च, 2020

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं